केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो० 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 291 बुधवार 21 मई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

युवती का शव बरामद हत्या की आशंका

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। जिले के पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के पांडेय बाजार में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में आग में झुलसकर मौत हो गई। मंगलवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे खंडहरनुमा मकान से धुंआ निकलता देखकर आसपास के लोगों को अनहोनी की आशंका हुई। किसी ने अंदर जाकर देखा तो अंदर एक युवती की लाश दिखी, जो पूरी तरह जल चुकी थी। शव पास ही एक डेयरी में रहकर काम करने वाली युवती का बताया जा रहा है। सूचना पर पुलिस व फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंच गई। युवती को जलाकर कर मार डालने की लोग आशंका जता रहे हैं।

पुलिस घटना की छानबीन में जुटी है। बताया जा रहा है कि पांडेय बाजार निवासी रामू लोहिया डेयरी का काम करते हैं। उन्होंने डेयरी में गाय की देखरेख के लिए एक 25 वर्षीय युवती को कुछ दिनों पूर्व काम पर रखा था। वह डेयरी पर ही रहती थी। डेयरी के करीब ही एक खंडहरनुमा मकान है, जहां वर्तमान में कोई रहता नहीं है। इसी खंडहर के पिछले हिस्से में इस युवती की जला हुआ शव मंगलवार की सुबह बरामद हुआ। आशंका है कि रात में ही उसे जलाकर मार डाला गया। थानाध्यक्ष महेश सिंह का कहना है कि संदिग्ध परिस्थितियों में युवती की आग में झुलसकर मौत की घटना सामने आई है। घटनाक्रम से जुड़े सभी पहलुओं की छानबीन की जा रही है।

झमाझम बारिश से राहत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। पिछले कई दिनों से तल्ख धूप और भीषण गर्मी से बेहाल लोगों को मंगलवार की सुबह बदला मौसम राहत लेकर आया। पहले आसमान में अंधेरा छाया। फिर, तेज हवाएं चली। इसके बाद बूंदाबांदी शुरू हुई। इसके बाद झमाझम बारिश हुई। बारिश से मौसम का तापमान गिर गया। गर्मी से निजात मिल गई है। सुबह मौसम साफ था और सूरज निकला। धीरे–धीरे आसमान में बादल छाने लगे। सुबह सवा नौ बजे के करीब अचानक मौसम ने यूं करवट बदला और दिन में अंधेरा छा गया। लोगों को लगा कि शाम हो गया। सड़क पर वाहन चालक लाइट जलाकर चलने लगे। इसके बाद बारिश शुरू हो गई।

तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश से मौसम का तापमान गिर गया। गर्मी से बेहाल लोगों को इससे राहत मिली। भीषण गर्मी में ठंड का अहसास हुआ। लोग बारिश से बचाव के लिए छतरी लेकर निकल पड़े। हालांकि, आधा घंटे बारिश के बाद बरसात रुक गई। लेकिन, आसमान में बादल छाए रहे। कई जगहों पर इससे जलभराव हो गया। आवागमन में परेशानी हुई। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी जोरदार बारिश हुई तो लोग गर्मी से निजात पाए। खेत–खलिहान की ओर किसान दौड़ पड़े। बताया गया कि यह बारिश खेती–किसानी के लिए उपयुक्त होगी। गन्ना और सब्जी फसल को फायदा हुआ है। वहीं जुताई भी शुरू हो जाएगी। धान नर्सरी तैयार करने में आसानी होगी, इससे किसान खुश हैं। कई जगहों पर तेज हवा के चलते पेड़ की टहनियां टूटकर गिर गई। टीनशेड उड़ गए। बोर्ड उखड़ गए। इससे परेशानी हुई। कुछ देर के लिए बिजली भी बाधित हो गई।

वक्फ संशोधन कानूनः अंतरिम राहत के लिए मजबूत मामला पेश करने की जरूरत

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की सांविधानिक वैधता को चुनौती वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने कानून को लेकर अंतरिम आदेश पारित करने को लेकर तीन घंटे तक सुनवाई की। सुनवाई के दौरान सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस जॉर्ज ऑगस्टीन मसीह की पीठ ने कहा कि कानून पर रोक लगाने और अंतरिम राहत के लिए मजबूत मामला पेश करने की जरूरत है। अन्यथा संवैधानिकता की धारणा बनी रहेगी। याचिकाकर्ता के वकीलों की दलीलों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार का पक्ष सुनने के लिए बुधवार को सुनवाई तय की है।

सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम आदेश पारित करने के लिए पहचाने गए तीन मुद्दों पर सुनवाई को सीमित करने का अनुरोध किया। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि तीन मुद्दों में अदालतों द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या विलेख द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर–अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और वक्फ कानून का विरोध करने वाले अन्य लोगों ने कहा कि कोई भी सुनवाई टुकड़ों में नहीं हो सकती।

अधिनियम को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले सिब्बल ने दलील दी कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 वक्फों की रक्षा के लिए बनाया गया है, लेकिन वास्तव में यह एक गैर–न्यायिक, कार्यकारी प्रक्रिया के माध्यम से वक्फ पर कब्जा करने के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि वक्फ अल्लाह को दिया गया दान है और इसके अनुसार संपत्ति को हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है–एक बार वक्फ, हमेशा वक्फ।

कपिल सिब्बल ने कहा कि पहले, हालांकि संपत्ति को एक प्राचीन स्मारक के रूप में संरक्षित किया गया था, लेकिन संपत्ति की पहचान वक्फ होने से नहीं बदली और सरकार को हस्तांतरित हो गई।

प्रोफेसर अली खान को नहीं मिली राहत

नई दिल्ली (आभा)। अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को सोमवार को राहत नहीं मिली। सोनीपत की जिला अदालत ने मंगलवार को उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 मई को होगी। ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में प्रोफेसर को रविवार को गिरफ्तार किया गया था।

बस्ती में 15 जुलाई तक धारा 163 लागू

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती । जिला मजिस्ट्रेट ने पूरे जनपद में तत्काल प्रभाव से 15 जुलाई 2025 तक धारा 163 का प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिया है। इस संबंध में उन्होने बताया कि पड़ने वाली विभिन्न राष्ट्रीय/स्थानीय त्यौहार एवं परीक्षाए होनी है, यथा 01 जून को बी.ए. संयुक्त प्रवेश परीक्षा–2025, 07 व 08 जून को ईदुज्जुहा (बकरीद) तथा 06 जुलाई को मोहर्रम का त्यौहार है। उन्होने बताया कि जनपद में होने वाली विभिन्न परीक्षाओं को नकलविहीन, सकुशल एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत शान्ति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था चुस्त–दुरूस्त रखने के लिए धारा–163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 के अन्तर्गत ये आदेश लागू किए गये है।

उन्होने कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का प्रतिबन्धित/अवैध अस्त्र–शस्त्र जैसे आग्नेयास्त्र, बन्दूक, पिस्टल, राइफल, रिवाल्वर, तलवार, कटार, गुप्ती, चाकू, लाठी, स्टिक, भाला, बरछा, फरसा, गड़ासा एवं किसी भी प्रकार का विस्फोटकर पदार्थ जैसे–हथगोला, बारूद, तेजाब आदि लेकर नही चलेंगा। उन्होने कहा कि लाइसेंसी शस्त्र धारको को खुलेआम शस्त्र लेकर चलने पर प्रतिबन्धित किया गया है। कोई भी व्यक्ति मा0 सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के विपरीत ध्वनि विस्तारण यंत्रों का प्रयोग नही करेंगा।

ज्येष्ठ मास के द्वितीय बड़े मंगलवार को भण्डारे में उमड़ी आस्था

-डीएम, सीडीओ ने विधि विधान से किया पूजन अर्चन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। ज्येष्ठ मास के द्वितीय बड़े मंगलवार को विकास भवन कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष राम अधार पाल के संयोजन में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने विकास भवन परिसर में विधि विधान से वैदिक मंत्रों के बीच श्री हनुमान जी का पूजन अर्चन कर प्रसाद ग्रहण किया।

भण्डारे में पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, डी.सी. मनरेगा संजय शर्मा, डीडीओ अजय सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, समाज कल्याण अधिकारी श्री प्रकाश पाण्डेय, मुख्य कोषागार अधिकारी अशोक कुमार प्रजापति, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा, मंत्री तौलू प्रसाद, अशोक मिश्र, समाजसेवी जगदीश शुक्ल, पूर्व प्रमुख गुलाब सोनकर, मुकेश सोनकर, ओम प्रकाश, सुजीत कुमार, राजेश कुमार, गोवर्धन उपाध्याय, आशुतोष कुमार, जलालुद्दीन कुरेशी, आलोक चौधरी, अखिलेश पाण्डेय, आलोक, अखिलेश पाठक, दिनेश श्रीवास्तव, मनोज कुमार, अजय पाण्डेय, राजा शेर सिंह, उदयशंकर शुक्ल, सचिन पाण्डेय, डी.एन. वर्मा, के साथ ही बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे और भण्डारे का प्रसाद ग्रहण किया।

कृषि सखियों को प्रशिक्षण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती । नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना अन्तर्गत कृषि सखियो का पांच दिवसीय 20 से 24 मई तक का प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र बंजरिया में आयोजित किया गया, जिसमें नेचुरल फार्मिंग के तहत कृषि सखियों की दो वर्षो की कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की गयी। उप कृषि निदेशक अशोक कुमार गौतम ने बताया कि जनपद में तीन ब्लाको बहादुरपुर, कुदरहा एवं दुबौलिया में 17 क्लस्टर का चयन किया गया है, जिसमें प्रति क्लस्टर 02 कृषि सखियों कुल 34 कृषि सखियों को प्रषिक्षित किया जा रहा है, से अवगत कराते हुए संचालित विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी।

कृषि वैज्ञानिक डा0 प्रदीप कुमार मिश्र प्रभारी के0वी0के0 ने मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन का प्राकृतिक खेती में योगदान समझाते हुए मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ की वृद्धि हेतु हरी खाद के बारे में जानकारी दी गयी। वैज्ञानिक डा0 विनोद बहादुर सिंह ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाकर विषमुक्त खाद्यान्न उत्पादन करने की सलाह दी। फार्मर मास्टर ट्रेनर राम मूर्ति मिश्र ने देशी गाय पालन एवं उससे होने वाले लाभ के बारे मे जानकारी दी। डा0 हरिओम मिश्र ने बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, दपर्णीय, आच्छादन, के विषय में कृषि सखियों को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर कृपा शंकर मौर्य, दीनानाथ मिश्र वर्ग–2, अभिषेक पाण्डेय, महेरी प्रसार मिश्र, सुमित श्रीवास्तव बी0टी0एम0, तकनीकी सहायक हरिओम पटेल एवं संजय कुमार ए0टी0एम0 इत्यादि उपस्थित रहें।

डीएम ने मांगा स्पष्टीकरण, अधिशासी अभियंता सिंचाई का वेतन रोकने का निर्देश

—भारतीय बस्ती संवाददाता
बस्ती । आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त व लम्बित संदर्भ की स्वयं अपने देख–रेख में गहन समीक्षा कर समयान्तर्गत निस्तारित करें। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने सभी विभागों के विभागाध्यक्ष को निर्देशित किया है। उन्होने अधिकारियों को सचेत किया कि किसी भी दशा में आईजीआरएस के अन्तर्गत प्राप्त संदर्भो को डिफाल्टर की श्रेणी में ना जाने दे, अन्यथा की स्थिति में संबंधित की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए प्रभावी कार्यवाही की जायेंगी। समीक्षा में पाया गया कि अधिशासी अभियंता सिंचाई राकेश गौतम द्वारा शिकायतो का निस्तारण ठीक से नही किया जा रहा है इस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण व वेतन रोके जाने का निर्देश अपर

जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान को दिया।

जिलाधिकारी ने विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया कि प्राप्त संदर्भो का गुणवत्तापूर्ण आख्या अपलोड करना सुनिष्चित करें। इसके साथ ही श्रेणी का चयन सही से किया जाय, जिससे जिले की रैंक प्रभावित ना हों। उन्होने राजस्व के प्राप्त प्रकरण में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ता से फोन/एसएमएस के माध्यम से अवगत कराते हुए स्थल पर जाये तत्पष्यात् गम्भीरता से दोनों पक्षों को सुने, उसके बाद निस्तारित आख्या तथा प्रकरण से संबंधित फोटोग्राफ्स पोर्टल पर अपलोड करें। आख्या लगाने के बाद दोनों पक्षों से फीडबैक अवश्य ले कि दोनों पक्ष संतुष्ट हो।

बैठक में सीडीओ सार्थक अग्रवाल, एडीएम प्रतिपाल चौहान, सीएमओ डा. राजीव निगम, डीडीओ अजय कुमार, उप जिलाधिकारी सदर शत्रुध्न पाठक, हरैया मनोज प्रकाष, भानपुर रष्मि यादव, रूधौली सत्येन्द्र सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, ई.डी.एम. सौरभ द्विवेदी तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

हम सरकार में हिस्सेदार फिर भी नहीं मिलता सम्मान–संजय निषाद

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद मंगलवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने बस्ती पहुंचे। कार्यक्रम में शिरकत से पहले सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने प्रोटोकॉल ना मिलने को लेकर अपना दर्द साझा किया। मंत्री ने कहा सहयोगी दल होने के बावजूद कई बार अधिकारियों का रवैया असहयोगात्मक होता है, जिससे हम सभी को अपमान महसूस होता है।

मंत्री ने कहा, हम लोग सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगी दल हैं, फिर भी कई बार हमें वह सम्मान नहीं मिलता जो मिलना चाहिए। अभी हाल ही में मेरे साथी अनिल भाई के साथ बागपत में ऐसा ही व्यवहार हुआ। जब एक मंत्री के साथ इस तरह का व्यवहार होता है तो दुख होता है। हम सरकार का हिस्सा हैं, मेहमान नहीं, बल्कि सम्माननीय जनप्रतिनिधि हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कुछ अधिकारी सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मैं पहले भी कह चुका हूं कि कुछ अफसर ऐसे हैं जो जानबूझकर जनप्रतिनिधियों को नाराज करने की कोशिश करते हैं, जिससे पार्टी में असंतोष फैले और सरकार की छवि खराब हो। ये लोग आस्तीन के सांप की तरह हैं, जो भीतर ही भीतर नुकसान पहुंचा रहे हैं। डॉ. निषाद ने कहा कि जब कोई जनप्रतिनिधि अपमानित महसूस करता है, तो उसका असर जनभावनाओं पर भी पड़ता है और इसका सीधा असर आगामी चुनावों पर पड़ सकता है। उन्होंने साफ किया कि वह इस मसले को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष भी उठाएंगे और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग करेंगे।

विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में निकली भारत शौर्य तिरंगा यात्रा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। यात्रा छावनी शहीद स्थल से प्रारंभ होकर राम जानकी मार्ग होते हुए अमर शहीद महाराजा जालिम सिंह किला अमोढ़ा में सम्पन्न हुई। यात्रा भारत माता की जय, भारतीय सेना जिंदाबाद, वंदे मातरम आदि नारों से गूंज उठी। यात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की भागीदारी रही। विधायक ने कहा कि भारतीय सेना ने दुश्मनों को सबक सिखाने का काम किया है और ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने आतंकियों के अड्डे नष्ट कर अदम्य साहस दिखाया है। उन्होंने कहा कि अब कोई भी दुश्मन देश को आंख दिखाने का साहस नहीं कर सकता। कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब देकर यह साबित कर दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सजग है और किसी से डरता नहीं।

उन्होंने कहा भारतीय सेना का शौर्य और बलिदान देश के प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व की बात है। ऑपरेशन सिंदूर जैसी सैन्य कार्यवाहियां हमें यह एहसास कराती हैं कि हमारी सीमाएं सुरक्षित हाथों में हैं। यह तिरंगा यात्रा भारतीय सैनिकों के सम्मान की एक छोटी–सी अभिव्यक्ति है।

प्राइमरी स्कूलों के दाखिले में 22 लाख की गिरावट दुर्भाग्यपूर्ण– अनिल कुमार गौतम

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के एक्स हैण्डिल पर की गई टिप्पणी का उल्लेख करते हुये कहा है कि यूपी के प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूलों में सन 2023–24 में 1.74 करोड़ दाखिले हुए, किन्तु 2024–25 में मात्र 1.52 करोड़ अर्थात स्कूल दाखिला में लगभग 22 लाख की गिरावट सरकारी स्कूल व्यवस्था की ऐसी बदहाल स्थिति गंभीर व चिन्तनीय है। शिक्षा के महत्व व जरूरत पर सरकार का उचित ध्यान जरूरी है।

बसपा अध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने कहा है कि एक्स हैण्डिल पर सुश्री मायावती ने कहा है कि सिस्ती व सुलभ व्यवस्था के तहत मदरसों आदि की प्राइवेट व्यवस्था के विरुद्ध सरकार का रवैया सहयोग का होने के बजाय उन्हें अवैध बताकर बंद करने का होना बुनियादी शिक्षा की जरूरत को और कमजोर करने वाला गैर–जरूरी व अनुचित है। निजी मदरसों के प्रति सरकार अपना रवैया बदले तो बेहतर है। वैसे तो सरकारी स्कूलों के हालात देश के अधिकतर राज्यों में काफी खराब हैं किन्तु यूपी व बिहार में यह अति–दयनीय होने से बहुजन गरीब परिवारों का बहुप्रतीक्षित विकास बाधित व इनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय। ऐसे में स्कूल शिक्षा पर ध्यान देकर इन्हें बंद करने के बजाय प्रोत्साहन देना जरूरी है।

अनिल गौतम ने कहा कि सुश्री मायावती ने प्रदेश में प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूलों, मदरसों का सच सामने रख दिया है। अच्छा हो कि सरकार इस दिशा में सकारात्मक पहल करे।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मंत्री को बर्खास्त करे भाजपा- महेन्द्र श्रीवास्तव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती । कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने मांग किया है कि कर्नल सोफिया कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री विजय शाह को तत्काल प्रभाव से मंत्री पद से हटाये जाने की मांग किया है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र ने कहा कि मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया पर जिस प्रकार की अशोभनीय टिप्पणी की है उससे पूरा देश आहत है किन्तु हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणी, एसआईटी के गठन के बावजूद मंत्री विजय शाह को बर्खास्त न किया जाना यही साबित करता है कि भाजपा अपने मंत्री को बचाने में लगी है। कहा कि

पूरा देश देख रहा है कि किस प्रकार से भाजपा ने विजय शाह को बचाने के लिये नैतिकता की सारी सीमायें तोड़ दी है। कहा कि यदि कर्नल सोफिया पर गंभीर टिप्पणी के बाद भारतीय जनता पार्टी ने इसे गंभीरता से लेकर मंत्री विजय शाह के विरूद्ध संगठन और सरकार के स्तर पर कड़ी कार्रवाई की होती तो हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणी न करनी पड़ती। कांग्रेस नेता महेन्द्र ने कहा कि सच तो ये है कि भाजपा हिन्दु–मुसलमान के नाम पर लम्बे समय से नफरत फैलाने का काम कर रही है। मंत्री विजय शाह भाजपा की इसी विचारधारा को आगे बढा रहे थे यही कारण है कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री से लेकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री उसे बचाने में लगे हैं। कहा कि यदि ऐसा नही है तो भाजपा बताये कि आखिर मंत्री विजय शाह को कौन बचा रहा है और उसे किसका संरक्षण है। कहा कि यदि भाजपा नेतृत्व में तनिक भी लोक लाज बचा हो तो मंत्री विजय शाह को तत्काल प्रभाव से मंत्रिमण्डल से बर्खास्त किया जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 मई 2025 बुधवार

सम्पादकीय

देश विरोधी साजिशें

भारत–पाकिस्तान संघर्ष के बीच कुछ देश विरोधी तत्वों का पर्दाफाश होना चौंकाता है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा देते हैं। देश के भीतर ये दुश्मन बेहद घातक हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा, पंजाब व यूपी के कुछ लोगों की गिरफ्तारी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। ये तत्व न केवल जासूसी में लिप्त थे बल्कि भारत विरोधी प्रचार का भी हिस्सा थे। जो देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव को भी खतरे में डाल सकते हैं। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की रहने वाली सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थी, जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। उस पर पाक के खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप हैं। यूपी के रहने वाले शहजाद और नौमान इलाही पर भी इसी तरह के आरोप हैं। पंजाब में मालेरकोटला के दो लोगों को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि क्या इन आरोपियों की सैन्य या रक्षा अभियानों से संबंधित जानकारी तक सीधी पहुंच थी या वे इसे उच्च पदस्थ स्रोतों से प्राप्त कर रहे थे? रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां ज्योति को एक खुफिया एजेंट के रूप में तैयार कर रही थीं। वह सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके।

निस्संदेह, भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान करने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। निस्संदेह, इन लोगों की परवरिश में कहीं चूक रही है जो इन्हें यह बोध नहीं करा सकी कि चंद पैसों व सुविधाओं के लालच में देश के साथ गद्दारी नहीं करनी चाहिए। निश्चय ही यह खुलासा राष्ट्रघाती खेल का छोटा हिस्सा है, आने वाले समय में और बड़ी मछलियां इस दलदल में पकड़ी जा सकेंगी। आने वाले वक्त में कई ऐसे जासूसों का खुलासा हो सकता है, जो आतंकवादियों को भारत की धरती पर हमला करने का इनपुट दे रहे हों। केंद्र व राज्य सरकारों, मीडिया और जनता को मिलकर ऐसे तत्वों को बेनकाब करने में मदद करनी चाहिए ताकि देश मे छुपी इन काली भेड़ों को बाहर किया जा सके। एक छलकपट वाले सूचना युद्ध के माध्यम से देश को नुकसान पहुंचाने की आईएसआई की साजिश को सख्ती से नाकाम किया जाए। विडंबना है कि पाकिस्तान भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रहा है। वह सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति का इस्तेमाल न केवल जासूसी के लिये कर रहा था बल्कि भारत के खिलाफ प्रचार तथा पाक की छवि को सुधारने के लिये भी कर रहा था। ज्योति पर आरोप है कि वह सोशल मीडिया के जरिये पाक की उजली छवि गढ़ रही थी। आरोप ये भी कि उसकी एक पाक खुफिया अधिकारी से अंतरंगता रही है, जिसके साथ वह बाली घूमने भी गई थी। पाक दूतावास की एक पार्टी के वीडियो में भी वह नजर आई है। दरअसल, सूचना क्रांति के इस दौर में विदेशी खुफिया एजेंसियां टेलीग्राम, स्नैपचैट व व्हाटसएप आदि के जरिये भारतीय मददगारों से संपर्क साध रही हैं, जिस पर हमारी प्रवर्तन एजेंसियां आसानी से नजर नहीं रख सकती। पुलिस को आधुनिक उपकरणों के साथ इस बाबत कुशल प्रशिक्षण देना चाहिए। बहरहाल, देश विरोधी तत्वों की निगरानी तेज करना वक्त की जरूरत है।

आपरेशन सिंदूर और विश्व समुदाय!

—विनीत नारायण—

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का इतिहास लंबा और जटिल रहा है। दोनों देशों के बीच कश्मीर को लेकर दशकों से चला आ रहा विवाद समय–समय पर हिंसक संघर्षों का कारण बनता रहा है। हाल ही में अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया। इस घटनाक्रम ने दक्षिण एशिया में तनाव को और बढ़ा दिया। इस संदर्भ में, अमरीका के जॉर्जटाऊन विश्वविद्यालय की युद्ध मामलों की विशेषज्ञ प्रोफेसर क्रिस्टीन फेयर ने एक टी.वी. साक्षात्कार में इस संघर्ष के कारणों, परिणामों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

प्रोफेसर फेयर ने अपने साक्षात्कार में बताया कि पाकिस्तान की सेना और उसका खुफिया तंत्र लंबे समय से आतंकी संगठनों, जैसे लश्कर–ए–तैयबा आदि को समर्थन देता रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये संगठन न केवल कश्मीर में सक्रिय हैं, बल्कि पाकिस्तान के आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके अनुसार, पाकिस्तानी सेना इन संगठनों को रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखती है, जो भारत के खिलाफ छद्म युद्ध छेड़ने में उपयोगी हैं। प्रोफेसर फेयर ने इस ऑप्रेशन को भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि भारत अब पहले की तरह केवल कूटनीतिक जवाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश भी देना जानता है।

हालांकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ऑप्रेशन सिंदूर जैसे कदम आतंकवाद को पूरी तरह खत्म नहीं कर सकते, क्योंकि पाकिस्तान की सेना के लिए भारत के खिलाफ संघर्ष 'अस्तित्वगत' है। ये उनके वजूद का सवाल है। भारत का डर दिखा–दिखा कर ही पाकिस्तान अनेक देशों से आर्थिक मदद मांगता रहा है। प्रोफेसर फेयर ने पाकिस्तानी सेना की भारत के प्रति कार्यशैली पर एक किताब भी लिखी है। इस साक्षात्कार में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान की सेना अपने देश की नीति–निर्माण प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाती है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना भारत को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानती है और इस धारणा को बनाए रखने के लिए वह आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करती है। फेयर के अनुसार, उनकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाकिस्तान के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। साक्षात्कार में प्रोफेसर फेयर ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की रणनीति की भी चर्चा की। उन्होंने डोभाल को एक ऐसे रणनीतिकार के रूप में वर्णित किया जो भारत की सुरक्षा नीति को आक्रामक और सक्रिय दिशा में ले जा रहे हैं। फेयर ने कहा कि डोभाल की 'सक्रिय रक्षा' की नीति ने भारत को पाकिस्तान के खिलाफ अधिक प्रभावी बनाया है।

'ऑप्रेशन सिंदूर' इस नीति का एक उदाहरण है, जिसमें भारत ने न केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, बल्कि पाकिस्तान को कूटनीतिक और सैन्य रूप से भी जवाब दिया। हालांकि, फेयर ने यह भी चेतावनी दी कि इस तरह की आक्रामक नीति के अपने जोखिम भी हैं। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान, दोनों ही परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं और किसी भी सैन्य टकराव का बढ़ना दक्षिण एशिया में व्यापक विनाश का कारण बन सकता है। उनके अनुसार, भारत को अपनी रणनीति में संतुलन बनाए रखना होगा, ताकि वह आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाए लेकिन साथ ही स्थिति को पूर्ण युद्ध की ओर बढ़ने से रोके।

10 मई 2025 को भारत और पाकिस्तान ने एक युद्धविराम की घोषणा की, जिसे अमरीका की मध्यस्थता से संभव माना गया। हालांकि, भारत ने इसे द्विपक्षीय समझौता बताया और अमरीकी हस्तक्षेप को कमतर करने की कोशिश की। प्रोफेसर फेयर ने इस युद्धविराम को अस्थायी करार दिया। उन्होंने कहा कि जब तक पाकिस्तानी सेना अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती तब तक इस तरह के तनाव बार–बार सामने आएंगे। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि पाकिस्तान भविष्य में फिर से भारत के खिलाफ आतंकी हमले कर सकता है क्योंकि यह उसकी रणनीति का हिस्सा है। प्रोफेसर क्रिस्टीन फेयर का टी.वी. साक्षात्कार भारत–पाकिस्तान संघर्ष की जटिलताओं को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उनके विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है बल्कि इसमें गहरे ऐतिहासिक, वैचारिक और रणनीतिक आयाम हैं।

पाकिस्तानी सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियां और भारत की आक्रामक जवाबी रणनीति इस क्षेत्र में स्थायी शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। हालांकि, फेयर का यह भी मानना है कि दोनों देशों के बीच संवाद और कूटनीति के रास्ते अभी पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। यदि पाकिस्तान अपनी नीतियों में बदलाव लाता है और भारत संतुलित रुख अपनाता है तो भविष्य में तनाव को कम करने की संभावना बनी रह सकती है। लेकिन इसके लिए दोनों पक्षों को न केवल अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करना होगा बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ सहयोग भी करना होगा।

बलूचिस्तान के आजादी की जंग

—संजय सिन्हा—

पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत बलूचिस्तान आजादी की लड़ाई और भू–राजनीतिक खेल का केंद्र है। यहां एक ओर बलूच लोग दशकों से स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो दूसरी ओर चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपीईसी के जरिए चीन ने अरब सागर तक अपनी पहुँच बनाने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है।

बलूचिस्तान में पाकिस्तान से आजादी के लिए जंग ने जोर पकड़ ली है। बलूच नेताओं ने जगह जगह विरोध प्रदर्शनों को काफी तेज कर दिया है। पाकिस्तान की सेना की तरफ से जबरन गायब किए गये लोगों और मानवाधिकार का उल्लंघन करने का हवाला देते हुए कई बलूच नेताओं ने बलूचिस्तान की आजादी का ऐलान कर दिया है। जिसके बाद माना जा रहा है कि पाकिस्तान की सेना एक बार फिर से बलूच के लोगों का कत्लेआम कर सकती है। बलूचिस्तान के स्वतंत्रता सेनानियों की तरफ से बलूचिस्तान के लिए अलग से राष्ट्रीय ध्वज और बलूचिस्तान का अलग नक्शा जारी किया गया है जिनमें बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग दिखाया गया है। सोशल मीडिया पर लगातार 'बलूचिस्तान रिपब्लिक' ट्रेंड कर रहा है।

ऑल इंडिया रेडियो की रिपोर्ट के मुताबिक बलूचिस्तान की प्रमुख बलूच कार्यकर्ता और लेखक मीर यार बलूच ने कहा है कि "पाकिस्तान के कब्जे वाले बलूचिस्तान में आजादी की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतर आए हैं और राष्ट्रव्यापी आंदोलन किए जा रहे हैं।" उन्होंने कहा कि 'बलूचों ने देशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान कर दिया है कि बलूचिस्तान, पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है।' इसके अलावा मीर यार बलूच ने इंटरनेशनल कम्युनिटी और यूनाइटेड नेशंस से "बलूचिस्तान लोकतांत्रिक गणराज्य" को एक संप्रभु राज्य के रूप में मान्यता देने का भी आग्रह किया है।वहीं अफगानिस्तान की निर्वासित सांसद मरियम सोलायमानखिल ने पाकिस्तान की सेना की बलूचों का जबरन अपहरण करने और उनसे क्रूरता करने की आलोचना की है। पाकिस्तान की सेना बलूचों के साथ काफी खतरनाक व्यवहार कर रही है। उन्होंने पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई को "जबरन उपनिवेशीकरण, जबरन कब्जा" करार दिया है जबकि पाकिस्तान दावा करता है कि वो आतंकवाद विरोधी अभियान चला रहा है। उन्होंने एक भारतीय समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि "मुझे लगता है कि हर कोई उस सैन्य तानाशाही से तंग आ चुका है जिसके तहत वे रह रहे हैं।" इसके अलावा उन्होंने कहा, "बलूचिस्तान में हमारे पास डॉ. महंग बलूच जैसे शांतिपूर्ण अहिंसक कार्यकर्ता हैं जो जेल में हैं लेकिन ओसामा बिन लादेन और लश्कर ए तैयबा के नेताओं जैसे लोगों को देश में आजादी से घूमने की इजाजत है।"

आपको बता दें कि बलूचिस्तान, पाकिस्तान का दक्षिण–पश्चिमी प्रांत है जो सबसे ज्यादा खनिज संपन्न प्रांत होने के बाद भी सबसे ज्यादा गरीब है। पाकिस्तान इन इलाकों की खनिज संपदा को बेचती है और उसका इस्तेमाल पाकिस्तान की सेना का पेट भरने और पाकिस्तानी पंजाब के डेवलपमेंट में खर्च होता है। बलूचिस्तान में चलने वाले ज्यादातर चीनी प्रोजेक्ट्स में भी पाकिस्तानी पंजाब के लोग ही काम करते हैं। लिहाजा बलूचिस्तान सालों से आजादी की मांग कर रहा है। बलूच विद्रोही अकसर पाकिस्तानी पंजाब के लोगों का कत्ल करते रहते हैं। इस प्रांत में चीनी प्रोजेक्ट्स पर भी हमले होते रहते हैं। बलूच विद्रोही बलूचिस्तान की खनिज संपदा में बलूच लोगों के हिस्से की मांग करते हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी भी एक स्वतंत्रता सेनानी संगठन है, जो बलूचिस्तान की आजादी की मांग कर रहा है। बलूच फ्रीडम फाइटर्स ने दो महीने पहले बलूचिस्तान में 450 से ज्यादा लोगों ले जारी ट्रेन को अगवा कर लिया था।

पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत बलूचिस्तान आजादी की लड़ाई और भू–राजनीतिक खेल का केंद्र है। यहां एक ओर बलूच लोग दशकों से स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो दूसरी ओर चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपीईसी के जरिए चीन ने अरब सागर तक अपनी पहुँच बनाने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है। हाल के भारतीय सैन्य अभियान, 'ऑपरेशन सिंदूर' (7 मई 2025), में चीन ने पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया जो सीपीईसी को बचाने और भारत के सामने नयी चुनौती पेश करने की कोशिश थी।

1947 में बँटवारे के समय बलूचिस्तान चार रियासतों दृ कलात, खरन, लास बेला, और मकरान से बना था। 11 अगस्त 1947 को, भारत की आजादी से चार दिन पहले, कलात के खान मीर अहमद यार खान ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र घोषित किया लेकिन यह आजादी केवल 227 दिन चली। 28 मार्च 1948 को, जिन्ना के आदेश पर पाकिस्तानी सेना ने कलात पर कब्जा कर लिया और खान को जबरन विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने को मजबूर किया जबकि मोहम्मद अली जिन्ना ने स्वयं ब्रिटिशों के सामने कलात की स्वतंत्रता का केस लड़ा था। बलूच इसे धोखा मानते हैं और तब से विद्रोह कर रहे हैं। बलूचिस्तान अब पाकिस्तान से ज़्यादा चीन का युद्धक्षेत्र बन गया है, क्योंकि यहाँ CPEC (चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरीडोर) का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। सीपीईसी 2015 में शुरू हुई 62 अरब डॉलर की परियोजना, चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हिस्सा है। इसका लक्ष्य चीन के शिनजियांग को ग्वादर पोर्ट (बलूचिस्तान) से जोड़ना है। यह 3,000 किमी का गलियारा सड़कों, रेलवे, पाइपलाइनों, और ऊर्जा परियोजनाओं का जाल है, जिसमें शामिल हैंरू ग्वादर पोटर्रू अरब सागर में रणनीतिक बंदरगाह।,ऊर्जा परियोजनाएं,कोयला, हाइड्रो, और सौर संयंत्र। सड़क–रेल नेटवर्कर्रू कराची से पेशावर और खुनजराब तक,विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) औद्योगिक विकास के लिए।

आपको बताता चलू कि बलूचिस्तान सिर्फ पाकिस्तान का प्रांत नहीं, बल्कि चीन की रणनीति का केंद्र है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में चीन ने पाकिस्तान को सैन्य तकनीक और संसाधन देकर भारत को घेरने की कोशिश की लेकिन इस खेल में आम बलूच कुचले जा रहे हैं। उनकी आजादी की लड़ाई CPEC और पाकिस्तानी दमन के खिलाफ है। क्या वे स्वतंत्रता हासिल करेंगे? यह भविष्य बताएगा। लेकिन यह साफ है कि बलूचिस्तान दक्षिण एशिया की भू–राजनीति का अहम हिस्सा है, और इसका भारत पर गहरा असर होगा।

वैवाहिक सम्बन्ध और कानून

—डॉ. सुधीर कुमार—

भारत में भी अदालतें वैवाहिक अधिकारों की पुर्नस्थापना कानून के बारे में चिंताएं व्यक्त कर रही हैं। उनका मानना है कि इस कानून का इस्तेमाल किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध विवाह में बने रहने के लिए मजबूर करने के लिए किया जा सकता है। यह चिंता महिलाओं के लिए अधिक है, जिन्हें अक्सर अपने पति के साथ रहने के लिए बाध्य किया जाता है, भले ही वे दुर्व्यवहार, क्रूरता झेल रही हों।

अगर पति–पत्नी अलग हो जाते हैं, तो कानून एक को मजबूर कर सकता है कि वह वापस दूसरे के साथ जाकर रहे। इसे वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना कहते हैं। भारतीय कानून में, यह प्रावधान प्रमुखतरू हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9 के तहत आता है। यानी अगर किसी पति या पत्नी को बिना किसी वजह छोड़ दिया है, तो यह कानून उन्हें अदालत में जाकर करने का अधिकार देता है कि वे अपना वैवाहिक जीवन फिर शुरू करना चाहते हैं। इसे कहते हैं, 'चलो फिर से साथ रहो' का कानूनी तरीका।

लेकिन आजकल लोग अपनी आजादी और मर्जी को ज्यादा मानने लगे हैं। अदालतें भी सोचने लगी हैं कि किसी को जबरदस्ती साथ रहने के लिए कहना ठीक नहीं। इसलिए, अब वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना पहले जितना आसान नहीं रहा। अदालतें अब यह देखती हैं कि क्या वाकई दोनों साथ रह सकते हैं या फिर उन्हें अपनी जिंदगी अपनी मर्जी से जीने का हक है। अब यह ज़्यादा 'पसंद' की बात हो गई है, न कि सिर्फ कर्तव्य की। अब कानून नहीं कहता कि हर हाल में साथ रहो। देखता है कि क्या दोनों अपनी इच्छा से साथ रहना चाहते हैं। पहले माना जाता था कि विवाह में पति–पत्नी का एक साथ रहना उनका कर्तव्य है, और यदि कोई एक साथी अलग रहना चाहता था, तो अदालत उसे वापस आने के लिए मजबूर कर सकती थी। लेकिन, अब अदालतें भी समझने लगी हैं कि किसी को उसकी इच्छा के विरुद्ध रिश्ते में रहने को मजबूर करना सही नहीं। कानून 'कर्तव्य' से 'पसंद' की ओर बढ़ रहा है।

कई अन्य देशों में, वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना का कानून या तो पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है, या इसे बहुत ही कम और विशिष्ट हालात में इस्तेमाल किया जाता है। इन देशों में कानूनी दृष्टिकोण इस मान्यता पर आधारित है कि व्यक्ति को इस मामले में अधिकार होना चाहिए कि वह किसके साथ अपना जीवन बिताना चाहते हैं। यानी राज्य को इस व्यक्तिगत और अंतरंग मामले में हस्तक्षेप का हक नहीं। इस सोच के पीछे अहम कारण निजी स्वतंत्रता और स्वायत्तता को सर्वोपरि माना जाना है। पति हो या पत्नी, दूसरे के साथ रहने के लिए मजबूर करना मानवाधिकार उल्लंघन माना जाता है। यह निजता के अधिकार और यह तय करने की स्वतंत्रता का हनन है कि वे निजी जीवन में कैसे संबंध रखना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, कई देश तर्क देते हैं कि जबरदस्ती से बनाए गए रिश्ते अक्सर अस्वस्थ और दुखद होते हैं। यदि एक साथी संबंध से बाहर निकलना चाहता है, तो उसे वापस रहने के लिए मजबूर करने से केवल तनाव, मनमुटाव और संभावित दुर्व्यवहार ही बढ़ सकता है। कानून का उद्देश्य रिश्तों को बनाए रखना होना चाहिए, लेकिन ऐसे रिश्तों को नहीं जो आपसी सहमति और सम्मान पर आधारित न हों। कुछ देशों ने इस कानून को इसलिए समाप्त कर दिया कि यह लैंगिक रूप से पक्षपातपूर्ण है। इस का इस्तेमाल अक्सर महिलाओं को उनके अनिच्छुक पतियों के साथ वापस रहने के लिए मजबूर करने को किया जाता था, जबकि पुरुषों को ऐसी बाध्यता का सामना शायद ही कभी करना पड़ा।

भारत में भी अदालतें वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना कानून के बारे में चिंताएं व्यक्त कर रही हैं। उनका मानना है कि इस कानून का इस्तेमाल किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध विवाह में बने रहने के लिए मजबूर करने के लिए किया जा सकता है। यह चिंता महिलाओं के लिए अधिक है, जिन्हें अक्सर अपने पति के साथ रहने के लिए बाध्य किया जाता है, भले ही वे दुर्व्यवहार, क्रूरता झेल रही हों। अदालतों की चिंता यह भी कि क्या यह कानून नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। मुख्य रूप से, अदालतें निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकारों के संभावित उल्लंघन पर फोकस कर रही हैं, जिसकी अनुच्छेद 21 के तहत गारंटी है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने टी. सरिता बनाम टी. वेंकट सुब्बैया (1983) के अहम मामले में हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9, जो वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना से संबंधित है, को असंवैधानिक घोषित किया था। तर्क दिया था कि यह कानूनी प्रावधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है। इस मामले में न्यायमूर्ति पी.ए. चौधरी ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि यह धारा एक व्यक्ति को उसकी शारीरिक स्वायत्तता से वंचित करती है, जिससे राज्य को निजी संबंधों के क्षेत्र में हस्तक्षेप की अनुमति मिल जाती है, जो अस्वीकार्य है। हालांकि, इस निर्णय को अगले ही वर्ष, सरोज रानी बनाम सुदर्शन कुमार चोपड़ा (1984) के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पलट दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने धारा 9 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखते हुए तर्क दिया कि इस प्रावधान का मुख्य उद्देश्य वैवाहिक कलह रोकना और विवाह संस्था को संरक्षित करना है। हालांकि इस फैसले में भी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद के अधिकारों पर चिंताएं व्यक्त की गईं। इसके बाद, के.एस. पुट्टस्वामी (सेवानिवृत्त) बनाम भारत संघ (2017) का ऐतिहासिक फैसला आया, जिसने निजता के हक को संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में स्थापित किया। इस न्यायिक घोषणा के बाद, वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना के प्रावधान की संवैधानिकता पर फिर से गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना का कानून भारत में मान्य है, लेकिन निचली अदालतें इसे लागू करने में सतर्कता बरत रही हैं। वे उन मामलों में पुनर्स्थापना की डिक्री पारित करने से हिचकिचाती हैं जहां स्पष्ट हो जाता है कि विवाह अपरिवर्तनीय रूप से टूट चुका है, जहां जबरदस्ती, क्रूरता या दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप लगे हैं, या संभावना हो कि डिक्री जारी करने से मौलिक अधिकार का उल्लंघन होगा।—लेखक कु.वि. के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

एक लाख का इनामी ढेर, एसओ को लगी गोली, बुलेट-प्रूफ जैकेट ने बचाई जान

संवाददाता–गोण्डा। पुलिस ने 1 लाख के इनामी बदमाश को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बदमाश की घेराबंदी की। खुद को घिरता देख उसने फायरिंग कर दी। एक गोली एसओ नरेंद्र राय की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, जिससे वह बाल–बाल बच गए।

जवाबी फायरिंग में बदमाश के सीने में दो गोलियां लग गईं। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर गया। पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बदमाश की पहचान सोनू उर्फ भुर्रे पासी के रूप में हुई है। मुठभेड़ करीब 45 मिनट चली।

इस दौरान बदमाश ने 12 तो पुलिस ने 8 राउंड फायरिंग की। सोनू पासी ने 24 अप्रैल को गोंडा के बेगमगंज में चोरी के दौरान एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। मुठभेड़ बेगमगंज थाना क्षेत्र में हुई। सोनू पासी परसपुर थाना का हिस्ट्रीशीटर था। फरवरी 2021 में पुलिस ने सोनू पासी को गिरफ्तार किया था। हालांकि, कुछ महीनों बाद वह जमानत पर जेल से बाहर आ गया। तब से वह फरार चल रहा था। सोनू के खिलाफ हत्या, लूट, डकैती जैसे 48 से ज्यादा मुकदमे अयोध्या, बहराइच, बस्ती और आसपास के जिलों में दर्ज थे। 20 दिन पहले उस पर एक लाख का इनाम घोषित हुआ था।

एनकाउंटर के पास सोनू पासी को पुलिस अस्पताल लेकर आई। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एनकाउंटर के पास सोनू पासी को पुलिस अस्पताल लेकर आई। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि सोनू सोमवार देर रात सनौली गांव के पास एक और वारदात की फिराक में था। मुखबिर की सूचना पर उसे पकड़ने के लिए उमरी–बेगमगंज, खोडारे पुलिस और एसओजी की टीमों ने इलाके में सर्च अभियान चलाया। रात 12:15 बजे सोनू बिना नंबर की बाइक से जा रहा था। पुलिस ने उसे रोका तो उसने बाइक की स्पीड और बढ़ा दी। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। खुद को घिरता देख सोनू ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। एक गोली थानाध्यक्ष नरेंद्र राय की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली सोनू के सीने में लग गई। पुलिस गाड़ी से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलसर लाया गया। डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। करीब 45 मिनट तक मुठभेड़ चली।

थानाध्यक्ष उमरी–बेगमगंज नरेंद्र राय ने बताया कि मुठभेड़ 12:15 से 1:00 बजे तक चली। इस दौरान आरोपी ने मुझ पर फायरिंग कर दी। गोली मेरे बुलेटप्रूफ जैकेट पर सीने के पास आकर लगी और जैकेट में फंस गई। इसके बाद हमने घेराबंदी कर जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदमाश के सीने में दो गोलियां लगीं। सोनू पासी करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के कदियापुर गांव का रहने वाला था। उसका भाई पवन कुमार उर्फ गुड्डू पासी पिछले एक साल से करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र में हुई एक चोरी की घटना में जेल में बंद है। वह अभी तक जेल से छूटकर बाहर नहीं आया है।

सोनू की पत्नी कमला देवी ने बताया कि मेरी शादी 2002 में हुई थी। पिछले चार साल से सोनू मेरे साथ मायके में ही रह रहा था। कल हमारे घर एक आदमी आया और सोनू को शराब पिलाई। उसने बताया कि पुलिस तुम्हें ढूंढ रही है, भाग जाओ। इसके बाद सोनू गाड़ी लेकर कहीं चले गए। हमने बहुत बार फोन मिलाया और उनकी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। फिर सुबह मोबाइल में खबर देखकर पता चला कि पुलिस ने उन्हें मार दिया। मेरे पति पर सारे मुकदमे नाजायज हैं। 24 अप्रैल वाली घटना में फर्जी मुकदमा लगाया गया है। हम अपने पति के शव को नहीं जलाएंगे। सोनू के ससुर सूरज राम ने बताया कि जब मैंने अपनी बेटी की शादी सोनू से की थी, तब वह 18–20 साल का था। तब वह ये सब नहीं करता था। बहुत शांत स्वभाव का था, सबकी मदद करता था। लेकिन बाद में पता नहीं कैसे ये सब करने लगा। हमने कई बार रोका भी था, लेकिन वह नहीं माना।

लवकुश सभागार का एसपी ने किया लोकार्पण

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस लाइन में लव कुश नाम से एक सभागार जीर्णोद्धार पूरा हो गया है। मंगलवार को एसपी घनश्याम चौरसिया ने लवकुश सभागार भव्य शुभारम्भ किया। यह सभागार आधुनिक सुविधाओं से लैश है। पुलिस लाइन में पूर्व में निर्मित सभागार जर्जर हो गया था। जिसके जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा था। जीर्णोद्धार किए गए सभागार का नाम लवकुश सभागार रखा गया है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने फीता काटकर लवकुश सभागार का लोकार्पण किया। पूर्व में निर्मित इस सभागार का जीर्णोद्धार कर इसे आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। अब यह सभागार वातानुकूलित है तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। जिसमें करीब 150 व्यक्तियों के बैठने की सुविधा उपलब्धा कराई गई है। लोकार्पण के बाद एसपी ने अंतर्जनपदीय फुटबॉल प्रतियोगिता देवरिया के लिए श्रावस्ती से चयनित टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही खिलाड़ियों को अनुशासन, समर्पण व खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, क्षेत्राधिकारी भिनगा संतोष कुमार, क्षेत्राधिकारी यातायात आलोक कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकाली गई तिरंगा यात्रा

संवाददाता–महराजगंज। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा चलाये गए ऑपरेशन सिंदूर के साहसिक प्रतिउत्तर को सलाम करने के उद्देश्य से मंगलवार को सिसवा नगर स्थित ब्लॉक मुख्यालय से तिरंगा यात्रा क्षेत्रीय विधायक प्रेमसागर पटेल के नेतृत्व में निकाली गई। इस यात्रा ने राष्ट्रभक्ति की अलख जगाते हुए सिसवा नगर को देशप्रेम के रंग में रंग दिया। यह तिरंगा यात्रा सिसवा ब्लॉक मुख्यालय से शुरू होकर नगर के इस्टेट तिराहे तक निकाली गई। यात्रा में विधायक प्रेमसागर पटेल के साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, समाजसेवी व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां शामिल हुईं। देशभक्ति गीतों की धुन पर कदम से कदम मिलाकर चलते लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से आकाश को गुंजायमान कर दिया।

इस दौरान विधायक ने कहा कि पहलगाम में निहत्थे नागरिकों पर हमला आतंकियों की नीच मानसिकता का प्रतीक है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर में हमारे वीर जवानों ने पाकिस्तान की धरती पर घुसकर जिस पराक्रम से आतंकवाद को करारा जबाब दिया, वह भारत की सैन्य ताकत और इच्छाशक्ति को दर्शाता है। इस अवसर पर जितेंद्र बहादुर सिंह, चंद्रशेखर उर्फ लल्ले सिंह, धीरज पटेल, आशीष सिंह, जितेंद्र वर्मा, अरविंद पांडेय, बैजनाथ मिश्रा, अमरेंद्र मल्ल, बैजनाथ सिंह सहित तमाम लोग शामिल रहे।

रामदूत अतुलित बल धामा अंजनी पुत्र हनुमाना

संवाददाता–बहराइच। ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगलवार को शहर व ग्रामीण इलाकों के हनुमंत मंदिर अंजनी नंदन की स्तुति से गुंजरित हो उठे। वातावरण आध्यात्मिक रसधार से सरोबार हो गया। मंदिरों में मंगला आरती के साथ पूजा को कपाट खोल दिए गए। मंगलवार भोर से ही श्रद्धालुओं ने मंदिर में बजरंगबली के दर्शन कर बजरंग बाण पाठ, हनुमान चालीसा, संतोष शिरोमणी तुलसीदास कृत रामचरित मानस के सुंदर कांड के सामूहिक पाठ किया। मंगलवार दोपहर से जगह जगह छबील पर प्रसाद वितरण की शुरूआत हुई। जनक नंदनी मां सीता के लंकेश रावण की ओर से हरण के बाद तलाश में जंगल जंगल भटक रहे राम लक्ष्मण की बजरंगबली से पहली मुलाकात ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार को किष्किंधा पर्वत के समीप हुई थी। बजरंगबली उनसे ब्राह्मण भेष में मिले थे। इसी प्रसंग के बाद से राम भक्त पवन सुत का जेठ माह के प्रत्येक मंगलवार को बुढ़वा मंगल या बड़ा मंगल के नाम से मनाने की परम्परा शुरू हुई। रघुकुलनंदन के आशीर्वाद से बजरंगबली के भक्त जेठ माह के पहले मंगल को तो विशेष महत्व देते ही है। जेठ माह के अन्य मंगलवार को भी पूजा अर्चना का सिलसिला चलता है। भक्त प्रेम भाव से तपती दोपहर में राहगीरों को प्रसाद व ठंडा शर्बत पिलाते है। मंगलवार की भोर होते ही शहर स्थित पांडवकालीन श्रीसिद्धनाथ मंदिर, श्रीदेवी गुल्लावीर मंदिर, कानूनगोपुरा दक्षिणी स्थित नागेश्वर नाथ मंदिर, रोडवेज रोड पीपल स्थित हनुमान मंदिर, घंटाघर चौक के पास सराफा गली स्थित हनुमान मंदिर आदि मंदिरों में भोर में मंगला आरती के साथ कपाट खुले। मंदिर के पुजारियों ने आने वाले श्रद्धालुओं को विधि विधान से बजरंगबली की पूजा कराई। घृत मिश्रित सिंदूर से बजरंगबली का श्रंगार किया गया।

बैठक से गायब अधिकारियों के वेतन रोकने के निर्देश

संवाददाता–श्रावस्ती। समीक्षा बैठक –डीएम ने की सीएम डैशबोर्ड पर राजस्व कार्यों की समीक्षा –छह माह से अधिक पुराने मामलों को निस्तारण के निर्देश श्रावस्ती, संवाददाता। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक हुई। जिसमें राजस्व विभाग से संबंधित सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले में चल रही योजनाओं की समीक्षा की गई। इसके साथ ही बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन रोकने का निर्देश दिया। बैठक में डीएम ने उद्योग विभाग, आबकारी विभाग, खनन विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, परिवहन, मण्डी विभाग, राजस्व विभाग आदि विभागों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान डीएम ने बैठक से नदारद रहे औषधि निरीक्षक, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, उप कृषि निदेशक व जिला कृषि अधिकारी का वेतन बाधित करने का निर्देश दिया।

साथ ही खराब प्रगति मिलने पर अधिशासी अभियंता सिंचाई का वेतन भी बाधित करने को निर्देशित किया। डीएम ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पुराने व लंबित वादों की नियमानुसार सुनवाई करके जल्द से जल्द निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि छह माह से ऊपर के मामलों के निस्तारण में तेजी लाएं और समय से निस्तारित करें। सभी लम्बित वाद 25 मई से पहले जरूर निस्तारित कर लें। उन्होंने बड़े बकायदारों से वसूली के लिए जारी हुई आरसी की समीक्षा की। डीएम ने भूमि पट्टा आवेदन, किसान दुर्घटना बीमा, स्वामित्व योजना, खतौनी पुनरीक्षण आदि की भी समीक्षा की और सम्बन्धित अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने को निर्देशित किया। बैठक में एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा, एएसपी प्रवीण यादव, एसडीएम पीयूष जायसवाल आदि मौजूद रहे।

अहिल्याबाई का देश के प्रति त्याग व बलिदान अविस्मरणीय –महेंद्र

संवाददाता–बलरामपुर। विकासखंड रेहरा बाजार मुख्यालय पर संचालित बीपीएस इंटर कॉलेज सभागार में रानी अहिल्याबाई होलकर जन्म शताब्दी स्मृति अभियान के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सफल छात्र–छात्राओं को प्रशस्ति–पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता मुख्य अतिथि भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र पांडेय रहे। उन्होंने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन से किया। उन्होंने रानी अहिल्याबाई होलकर के बारे में छात्रों को विस्तार से जानकारी देकर उनके आदर्शों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि ने रानी अहिल्याबाई होलकर के जन्म शताब्दी स्मृति अभियान के तहत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए छात्रों के विचारों को सुना है।

निर्णायक मंडल ने भाषण प्रतियोगिता में हाई स्कूल की छात्रा वर्षा को प्रथम स्थान इंटर की छात्रा खुशी गुप्ता को द्वितीय स्थान एवं हाई स्कूल की मानसी व सचिन प्रजापति को तीसरा स्थान देते हुए स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति–पत्र दिलाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रधानाचार्य ओम प्रकाश ने किया। कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देश पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि को आमंत्रित कर उनके विचार के साथ–साथ छात्राओं से संवाद कराया गया है। अतिथि ने प्रतियोगी छात्र–छात्राओं को सफलता के लिए बधाई देते हुए उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर उमेश चंद्र शुक्ल, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ संयुक्त मंत्री सुधाधर पांडेय, अभिषेक शुक्ल, विनय कुमार शुक्ल, कन्हैया लाल यादव, घनश्याम सिंह, रामचंद्र मौर्य, विजय कृष्ण मिश्रा, विवेक सिंह, श्याम बहादुर पांडेय, नरेंद्र कुमार पांडेय व शिक्षक तथा बुद्धिजीवी शामिल रहे।

नगर पंचायत की भूमि पर लगे करीब 500 पेड़ गायब

संवाददाता–श्रावस्ती। । पर्यावरण सुरक्षा के लिए हर साल करोड़ों खर्च कर लाखों पौधे लगाए जाते हैं। लेकिन इकौना नगर पंचायत क्षेत्र में लगे करीब 500 पेड़ों को काट कर गायब कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। नगर पंचायत इकौना में बने मुक्तिधाम में पथवे निर्माण के नाम पर सैकड़ों हरे पेड़ों को काटकर गायब कर दिया गया है। जिसकी शिकायत व्यापार मंडल अध्यक्ष व समाजसेवी कन्हैया कसौधन समेत एक दर्जन लोगों ने पत्र देकर एसडीएम से जांच कर कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि नगर पंचायत के मोहल्ला गौतम नगर में स्थित मुक्तिधाम में आठ वर्ष पहले वन विभाग की ओर से 500 से अधिक शीशम व सागौन के पेड़ लगाए गए थे।

इससे अंतिम संस्कार के लिए मुक्तिधाम आने वाले लोगों को छाया मिलती रही थी। लेकिन नगर पंचायत की ओर से चोरी छिपे सभी पेड़ों को कटवाकर बेंच दिया गया है। साथ ही साक्ष्य मिटाने के लिए मिट्टी डालकर जड़ों को दबा दिया गया है। मौजूदा समय से मुक्तिधाम परिसर से सभी पेड़ गायब हो चुके हैं। कन्हैया कसौधन का कहना है कि यदि पेड़ काटवाना ही था तो उसके भी कुछ नियम है। पेड़ों की नीलामी होनी चाहिए थी और उससे आने वाला धन सरकारी खजाने में जमा होना चाहिए। लेकिन नगर प्रशासन की ओर से निजी लाभ के लिए अवैधरूप से पेड़ों की बिक्री कर दी गई। शिकायती पत्र को संज्ञान में लेकर एसडीएम ओम प्रकाश की सूचना पर वन क्षेत्र पयागपुर के डिप्टी रेंजर विकास वर्मा ने मौके पर पहुंच कर जांच की। शिकायत करने वालों में एडवोकेट ज्ञान वर्मा, हेमंत गुप्ता, हरिद्वार कसौधन, ओमकार प्रसाद, दिलीप, श्रीपाल सहित अन्य लोग शामिल रहे। कन्हैया कसौधन ने कहा कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन करने को बाध्य होना पड़ेगा।

शोषण के खिलाफ उतरे बिजली कर्मी, 72 घंटे के लिए धरने पर बैठे

संवाददाता–बहराइच। पयागपुर बिजली उपकेंद्र के संविदा कर्मियों ने 72 घंटों के लिए कार्य बहिष्कार पर चले गए हैं। मानदेय भुगतान में देरी, निजी करण समेत कई समस्याओं से परेशान होकर कर्मियों ने यह कदम उठाया है। निर्धारित अवधि के बाद काम पर आने को लेकर कर्मी अड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में भीषण गर्मी में लोकल फाल्ट दुरुस्त कराने को लेकर पीड़ित परेशान हो रहे हैं। अधिकारी सीयूजी नंबरों को रिसीव नहीं कर रहे हैं। कैसरगंज डिवीजन के पयागपुर बिजली उपकेंद्र पर विभिन्न पदों पर तैनात बिजली कर्मियों ने विभाग के खिलाफ मोर्चा खो दिया है। कर्मियों का कहना है कि आठ घंटे की ड्यूटी दिखाकर 14 घंटे तक काम लिया जा रहा है।

विरोध करने पर संस्था व अधिकारी बाहर का रास्ता दिखाने की धमकी दे रहे हैं। जिलाध्यक्ष परशुराम ने कहा कि फेस अटेंडेंट की प्रक्रिया पूरी तरह से ठीक नहीं है। कर्मी दिन रात फील्ड में रहकर फाल्ट मरम्मत करते हैं। ऐसे में वह उपकेंद्र पर पहुंचकर फेस अटेंडेंट लगा पाना मुश्किल होगा। मानदेय के नाम पर भी कर्मियों को परेशान किया जा रहा है। दो–दो माह बीत जा रहा है, लेकिन मानदेय का भुगतान नहीं किया जाता है।। मोहित शुक्ला, लवकुश यादव ने कहा कि लंबे समय से समस्या निस्तारण के नाम पर जिम्मेदार अधिकारी आश्वासनों की घुट्टी पिला रह हैं, लेकिन एक भी समस्या का अब तक समाधान नहीं किया गया है। 72 घंटे के कार्य बहिष्कार के बाद भी उनकी समस्याओं को लेकर कोई ठोस पहल नहीं हुई तो वे लोग इसको आगे तक ले जाने पर विचार करने को मजबूर होंगे। कर्मियों के कार्य बहिष्कार से पहले ही दिन फाल्ट दुरुस्त कराने को लेकर अधिकारी पसीना बहाते दिखे। उपभोक्ताओं का कहना है कि सीयूजी नंबर जेई व एसडीओ तक रिसीव तक नहीं कर रहे हैं। इससे उन लोगों में भी नाराजगी बढ़ रही है।

मेधावी छात्रों व अभिभावकों को किया सम्मानित

संवाददाता–श्रावस्ती। विद्यालय में मेधावी छात्र व अभिभावक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के मेधावी छात्र छात्राओं के साथ ही उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया और छात्रों को छुट्टी के दिनों में नियमित पढ़ाई करते रहने को प्रेरित किया गया। हरिहरपुर रानी विकास क्षेत्र के बाबा गुरु सरन दास बुद्ध सागर मिश्र शिक्षण संस्थान रामपुर ककरा में मंगलवार को सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं व अभिभावकों को सम्मानित किया। इसके साथ ही छात्रों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र भी दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवधा राम वर्मा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना बेहद महत्वपूर्ण है। मेधावी छात्रों को आगे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करना है। वहीं विद्यालय के संस्थापक मुंशीराम तिवारी ने कहा कि इस वर्ष के परीक्षा परिणाम में विद्यालय के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने सभी छात्रों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं। सभी छात्र ऐसे ही मेहनत कर बेहतर प्रदर्शन करते रहें और अपना लक्ष्य साधकर आगे बढ़ते रहें। इस मौके पर प्रधानाचार्य आरबी भार्गव, शिक्षक मोहम्मद जमील आरिफ, नवीन कुमार यादव, लालमणि यादव, सतीश कुमार तिवारी, उत्तम कुमार मौर्य, ओम प्रकाश मिश्रा, नन्द कुमार गुप्ता, राहुल कुमार भार्गव, आशीष मिश्रा, शिवम मिश्रा, वैष्णवी सिंह, ममता मिश्रा आदि मौजूद रहे।

भीड़–भाड़ वाले बाजार में रोड पर सजी दुकानें, राहगीर हलकान

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल सीमा से सटे सोनौली कोतवाली क्षेत्र का भगवानपुर बाजार अतिक्रमण का शिकार हो गया है। सडकों पर इतनी दुकानें सज जाती हैं कि आए दिन कस्बा पूरी तरह से जाम में तब्दील हो जाता है। जिससे आने जाने वाले राहगीर जाम में फंसकर हलकान होते रहते हैं। उपर से कस्बे में नाली न होने के कारण पानी निकासी की समस्या बनी हुई है। सोनौली क्षेत्र का भगवानपुर कस्बा नेपाल सीमा से सटे हुए है। सिर्फ कस्बे की ही आबादी 2000 से ऊपर है। जबकि ग्राम पंचायत की कुल आबादी 6000 से ऊपर है। नेपाल सीमा से सटे होने के कारण नेपाली नागरिक भारी संख्या में बाजार करने आते हैं।

भगवानपुर कस्बे की सड़क सकरी है। जिसके दोनों तरफ मकान बना हुआ है। सारी दुकानें सड़क पर सजा दी जाती हैं। जिससे आए दिन जाम लग जाता है। भगवानपुर कस्बे में बहुत ज्यादा अतिक्रमण है। जिसकी वजह से जाम जैसी नौबत रोजाना आ जाती है। और लोगों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है। कस्बे में पानी निकासी के लिए नाली नहीं बनी है। जिसकी वजह से सड़कों पर पानी फैल जाता है।

ग्रामीण अनिल कुमार रामू शर्मा, इसरार खान सफीकुल्लाह, श्याम सिंह आदि का कहना है कि अतिक्रमण की वजह से भगवानपुर कस्बे में जाम लग जाता है। जिससे आए दिन जाम की समस्या से लोग जूझते रहते हैं।

मूक–बधिर बालिकाओं के लिए खुला इंटर कॉलेज

संवाददाता–कुशीनगर। कुशीनगर में मूक–बधिर बालिकाओं के लिए नए शैक्षणिक सत्र 2025–26 का शुभारंभ हो गया है। खड्डा के विधायक विवेकानंद पांडेय, रामकोला के विधायक विनय प्रकाश गौड़ और जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने दीप प्रज्ज्वलन और फीता काटकर विद्यालय का उद्घाटन किया।

अतिथियों ने विद्यालय के पुस्तकालय, क्राफ्ट रूम, मल्टीपरपज हॉल, स्मार्ट क्लास और कक्षाओं का निरीक्षण किया। कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों और मूक–बधिर बालिकाओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

विद्यालय में 200 छात्राओं को शिक्षा देने की क्षमता है। यहां सांकेतिक भाषा के साथ–साथ विभिन्न कलाओं की शिक्षा भी दी जाएगी। विद्यालय का मुख्य उद्देश्य मूक–बधिर और दिव्यांग बालिकाओं को गुणवत्तापरक शिक्षा देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

जिलाधिकारी ने जनपद की सभी मूक–बधिर दिव्यांग बालिकाओं से विद्यालय में प्रवेश लेने की अपील की है। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल का वितरण भी किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम में बीएसए राम जियावन मौर्य, डीसी मनरेगा राकेश और जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अभय पांडेय सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। यह विद्यालय मूक–बधिर बालिकाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

महिला सशक्तीकरण दौड़, कहीं संगोष्ठी तो कहीं रंगोली प्रतियोगिता

संवाददाता–श्रावस्ती। पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी के अवसर पर विद्यालयों में विविध कार्यक्रमो का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को कई स्कूलों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसके साथ ही रैली निकाली गई। गिलौला मण्डल के तुलसीपुर स्थित सत्य नारायण उच्च शिक्षा संस्थान व मेवालाल सियाराम पटवारी इंटर कॉलेज के संयुक्त तत्वधान में जिलाध्यक्ष डॉ मिश्रीलाल वर्मा की अध्यक्षता में महिला सशक्तीकरण दौड़ का आयोजन किया गया। महिला सशक्तिकरण दौड़ तुलसीपुर चौराहे से शुरू होकर चिचड़ी चौराहे तक हुई। समापन के दौरान डॉ मिश्रीलाल वर्मा ने कहा कि पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर जी का जीवन संघर्षों व चुनौतियो में बीता लेकिन उन्होंने कभी परिस्थितियों से हार न मानकर एक कुशल शासक, योद्धा व सनातन संस्कृति की रक्षा का दायित्व निभाया।

इकौना क्षेत्र के जगतजीत इंटर कॉलेज के द्वारा छात्राओं के साथ महिला सशक्तिकरण दौड़ व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्य्रकम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रावस्ती के विधायक राम फेरन पाण्डेय उपस्थित रहे। लक्ष्मण नगर स्थित राम समुझ मिश्रा किसान इंटर कॉलेज में विद्यालय की ओर से आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में मुख्य तिथि के रूप में जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी व विशिष्ट अतिथि के रूप में मण्डल अध्यक्ष राकेश प्रताप सिंह उपस्थित रहे। इस दौरान रंगोली का अवलोकन कर विद्यार्थियों से संवाद किया गया।

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए नाइट ब्लड सर्वे, 20 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की होगी जांच

संवाददाता–बलरामपुर। फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत नाइट ब्लड सर्वे शुरू हो गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने विकास खंड तुलसीपुर के ग्राम गैडहवा से इस अभियान का शुभारंभ किया। सीएमओ के अनुसार माइक्रोफाइलेरिया रात में सक्रिय होता है। इसलिए रात के समय ब्लड सैंपलिंग की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीमें चयनित क्षेत्रों में घर–घर जाकर 20 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के रक्त नमूने लेंगी।

प्रत्येक ब्लॉक से दो क्षेत्रों का चयन किया गया है। इनमें एक ऐसा क्षेत्र शामिल है जहां पहले फाइलेरिया के मामले मिले हैं। रक्त नमूनों से पट्टिका बनाई जाएगी। संक्रमण की पुष्टि होने पर तुरंत इलाज शुरू किया जाएगा।

इस दौरान कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव, जिला मलेरिया अधिकारी राजेश पाण्डेय और सीएचसी तुलसीपुर के अधीक्षक डॉ. विकल्प मिश्रा मौजूद रहे। सीएमओ ने लोगों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य बलरामपुर को जल्द फाइलेरिया मुक्त बनाना है।

पाकिस्तान में एक भी आतंकी नहीं मारा गया – स्वामी प्रसाद मौर्य

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में मंगलवार को अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य पहुंचे। यहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाया। कहा कि पाकिस्तान में एक भी आतंकवादी नहीं मारा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया तो बहुत खुशी हुई कि देर आए दुरुस्त आए। सोचा था कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों का खात्मा होगा। लेकिन, 24 घंटे के अंदर सब टांय–टांय फुस्स हो गया।

मौर्य ने आगे कहा कि बहनों का सम्मान करने की बजाय उनका अपमान किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर बहनों को धोखा दिया। ऐसी क्या बात थी कि 24 घंटे के अंदर बैकफुट पर आ गए। जबकि, एक भी आतंकवादी वहां पर घुसकर नहीं मारा गया। सारे आतंकवादियों का सफाया करने के बाद ही युद्ध बंद किया जाता।

सरकार को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने बहनों की आंखों में धूल झोंका है। देशवासियों के भी आंखों में धूल झोंका। यही भाजपा का चाल और चरित्र और चेहरा है। उसको अब हम जनता के बीच में बेनकाब करने जा रहे हैं। वहीं, संविधान का सम्मान भी जरूरी है। यदि 400 का आंकड़ा पार हो गया होता तो आज संविधान बदल दिया गया होता।

उन्होंने आगे कहा कि मैं देश के साथ–साथ अयोध्यावासियों को बधाई देता हूं जिन्होंने 400 का आंकड़ा ना पार कराते हुए भाजपा को बैसाखी पर खड़ा कर दिया। प्रधानमंत्री नारा देते हैं, वन नेशन–वन इलेक्शन। मैं कहता हूं वन नेशन–वन इलेक्शन क्यों? अगर आवश्यकता ही है तो सबसे पहले वन नेशन–वन एजुकेशन होना चाहिए। शिक्षा समान होनी चाहिए। ताकि गरीब, अमीर, गांव, शहर छोटे–बड़े सबके बेटी और बेटे अच्छी शिक्षा और समान शिक्षा प्राप्त कर सकें।

ईंट से कूचकर युवक की हत्या, शराब ठेके पर हुआ था विवाद

संवाददाता–अयोध्या। सोमवार की रात एक युवक की ईंट से कूचकर हत्या कर दी गई। इकलौती संतान की हत्या की खबर मिली तो घरवाले बिलख उठे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

मामला तारुन क्षेत्र के गयासपुर गांव का है। गांव निवासी कमल सिंह (35) की हत्या हुई है। गयासपुर पुलिस चौकी से लगभग 500 मीटर की दूरी पर सड़क पर उसका शव पड़ा मिला। लोगों ने देखा तो मौके पर भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली।

बताया गया कि कमल शराब पीने के लिए कुछ लोगों के साथ ठेके पर गया था। वहां आपस में विवाद हो गया। इसके बाद वह देर रात घर जाने के लिए निकला था। रास्ते में ही वारदात को अंजाम दिया गया। घटनास्थल पर उसकी बाइक क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी मिली।

लोगों ने बताया कि कमल अपने माता–पिता की इकलौती संतान था। मां ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस क्षेत्र के सीसीटीवी खंगाल रही है। आरोपियों तक पहुंचने के लिए हर पहलू पर गहनता से जांच की जा रही है।

टैंपो व डीसीएम में टक्कर, एक की मौत, तीन घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी कोतवाली क्षेत्र के बांसी–खलीलाबाद मार्ग पर पतनपुरवा चौराहे के पास यात्रियों से भरी एक टैंपो को एक डीसीएम ने जोरदार टक्कर मार दी। इसमें टैंपो सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मृतक व घायल एक ही परिवार के हैं। घायलों का इलाज के लिए 50 बेड हॉस्पिटल बांसी भेजा गया। जहां एक की हालत नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। डीसीएम व टैंपो को कब्जे में ले लिया है। खेसरहा थाना क्षेत्र के बेलवालगुनही गांव निवासी जहीर (22) पुत्र अब्दुल आलम अपने परिवार के लोगों शाहजहां पत्नी असुल आलम, हलीमा खातून पुत्री अजीज, हसीना खातून पुत्री अब्दुल आलम के साथ टैंपो में सवार होकर बेलोहा बाजार से बांसी आ रहा था। उन लोगों को नौगढ़ तहसील क्षेत्र के महेसरा गांव में एक रिश्तेदार के घर जाना था। इसी टैंपो में विशाल पुत्र पलक धारी और रामनरेश पुत्र राम केवल निवासी कपिया शुक्ल भी सवार थे। जैसे ही टैंपो बांसी–खलीलाबाद मार्ग पर पतनपुरवा गांव के सामने पहुंचा सामने से तेज रफ्तार आ रही डीसीएम ने टक्कर मार दी। टक्कर में जहीर पुत्र अब्दुल आलम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसके परिवार की शाहजहां, हलीमा खातून, हसीना को गंभीर चोटें आई। घटना की सूचना पाते ही सीओ पवीन प्रकाश और बांसी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी घटनास्थल पर पहुंच गए। घटनास्थल का निरीक्षण किया। सभी घायलों को 50 बेड हॉस्पिटल बांसी पहुंचाया गया। हालत गंभीर देख शाहजहां पत्नी असुल आलम को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डीसीएम और टैंपो को कब्जे में ले लिया गया है।

गुप्तार घाट पर स्थापित की गई सैम मानेकशॉ की मूर्ति और टी–55 टैंक

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में सरयू के किनारे गुप्तार घाट पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। जगह–जगह सेल्फी प्वाइंट बनाए जा रहे हैं, जिससे आने वाले श्रद्धालु व पर्यटक सेल्फी ले सकें। कमिश्नर गौरव दयाल ने बताया कि गुप्तार घाट पर छावनी परिषद और विकास प्राधिकरण के संयुक्त प्रयास से दो जगहों का सुंदरीकरण किया गया है। मंगलवार को एक स्थान पर 1971 के भारत पाक युद्ध के हीरो रहे पूर्व सेनाध्यक्ष और देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेक शॉ की मूर्ति का अनावरण किया गया, तो दूसरी जगह पर 1965 और 1971 के युद्ध में पाकिस्तान को धूल चटाकर अपना जलवा दिखाने वाले टी 55 टैंक को स्थापित किया गया है। कमिश्नर ने बताया कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि अयोध्या में पिकनिक स्पॉट को चिन्हित करके जो हमारे सेना के हीरो हैं, उनको सम्मानित करें। ऐसे प्रमुख स्थल विकसित किए जाएं, जिससे यहां आने वाले देश दुनिया के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सेना के पराक्रम और उपलब्धियों के बारे में जानकारी हो सके। डोगरा रेजीमेंटल सेंटर के ब्रिगेडियर कुंवर रंजीव सिंह ने बताया कि टी 55 टैंक स्टेशन के लिए रिलीज हो गया था। इसके साथ जवान रहते थे। आज इसको गुप्तार घाट पर स्थापित किया गया है। यहां पर जो पर्यटक आते हैं और जो स्थानीय आबादी है, वह लोग इस टैंक को देख सकेंगे और इसके बारे में जानकारी ले सकेंगे। जो लोग सेल्फी के शौकीन हैं, वह टैंक के साथ सेल्फी भी ले सकते हैं।

सुबह धूप के बाद छाई बदली फिर हुई बारिश

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में मौसम का मिजाज पल–पल बदलता रहा। मंगलवार की सुबह धूप निकली। दो घंटे के बाद बदली शुरू हो गई। फिर दस बजे से बूंदाबांदी के साथ बारिश शुरू हो गई। जिले में एक दिन पहले दोपहर बाद निकली धूप निकलने से गर्मी बढ़ गई। धूप निकलने पर तापमान 38 डिग्री तक पहुंच गया। हालांकि बीच–बीच में चल रही पुरवा हवाओं से राहत मिलती रही पर उमस परेशान करती रही। मंगलवार को सुबह के समय धूप निकलने से लगा कि मौसम साफ रहेगा। लेकिन दो घंटे बाद ही पुरवा हवाओं के साथ बदली शुरू हो गई।

4 माह में तैयार हो जाएगा उ0प्र0 का पहला स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट

संवाददाता–गोरखपुर। बीते कुछ सालों में गोरखपुर का टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर तेजी से आगे बढ़ा है। हाल के सालों में यहां कई बड़े ब्रांड के होटल्स, रेस्टोरेंट खुले हैं और कई खुलने की प्रक्रिया में हैं। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कुशल पेशेवरों की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में प्रदेश का पहला स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट का निर्माण कार्य (एसआईएचएम) बनवा रहे हैं। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के कार्यालय के सामने बन रहे एसआईएचएम का निर्माण 85 प्रतिशत से अधिक तक पूरा हो चुका है। सितंबर माह तक इसका निर्माण पूरा हो जाएगा और अगले शैक्षिक सत्र से यहां होटल एंड टूरिज्म मैनजमेंट से जुड़े डिप्लोमा और डिग्री के पाठ्यक्रम संचालित होने लगेंगे। स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, पर्यटन विभाग का प्रोजेक्ट है। इसका निर्माण कार्यदायी संस्था के रूप में सी एंड डीएस यूनिट–14 द्वारा कराया जा रहा है। 43 करोड़ 38 लाख 89 हजार रुपये की इस परियोजना पर निर्माण कार्य 26 सितंबर 2023 को प्रारंभ हुआ था।

वर्तमान समय में 35 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च कर 85 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरे कर लिए गए हैं और इसी साल 25 सितंबर तक कार्य पूर्ण किया जाना लक्षित है। निर्माण के पहले चरण में दो ब्लॉकों में प्रशासनिक कक्ष, क्लास रूम, कॉमन हाल, किचन के अलावा अंडरग्राउंड पार्किंग, इलेक्ट्रिफिकेशन, फायर सेफ्टी, पाइपलाइन आदि के कार्य कराए जा रहे हैं।

उप निदेशक पर्यटन रविंद्र कुमार मिश्रा बताते हैं कि पूरी कोशिश हो रही है कि स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट का निर्माण कार्य सितंबर माह तक पूरा कर लिया जाए। इसके साथ ही अगले शैक्षिक सत्र से यहां ग्लोबल डिमांड के अनुरूप होटल, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी मैनजमेंट के कोर्स शुरू कर दिए जाएंगे।

स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में कोर्स शुरू हो जाने के बाद युवाओं को रोजगारपरक पढ़ाई के लिए नए विकल्प मिल जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से गोरखपुर में जिस तरह से पर्यटन विकास हो रहा है उससे होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में रोजगार के अवसर भी तेजी से बढ़ रहे हैं। स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के दूसरे चरण के निर्माण में ब्यॉयज एंड गर्ल्स हॉस्टल बनाया जाएगा। दूसरे चरण की परियोजना के निर्माण पर 46 करोड़ 81 लाख 64 हजार रुपये की लागत आएगी। इसके लिए ई टेंडर की कार्यवाही प्रगति पर है।

ट्रेलर ने रोडवेज बस में मारी ठोकर, 15 यात्री घायल

संवाददाता–गोरखपुर। इलाके के सीहापार ओवरब्रिज की ढलान पर मंगलवार सुबह एक ट्रेलर ने रोडवेज की बस को पीछे से ठोकर मार दिया, जिससे करीब 15 यात्री घायल हो गए। आस पास के ग्रामीणों ने घायलों को बस से निकालकर सरकारी एम्बुलेंस से सहजनवां सीएचसी पहुंचाया।

इस दौरान बस्ती से गोरखपुर आने वाली लेन पर करीब आधे घंटे तक जाम लगा रहा। सूचना पर पहुंची सहजनवां पुलिस ने जाम खुलवाया। पुलिस के मुताबिक, घायलों में संतकबीरनगर खलीलाबाद मोहद्दीनपुर निवासी लक्ष्मण (35), खलीलाबाद बनियाबारी के सुर्खे कुमार (32), मुंडेरवा के राम लाल (35), कबूतरी (34) और लक्ष्मीपुर के आकाश का इलाज चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक, मंगलवार सुबह करीब सात बजे राप्तीनगर डिपो की सरकारी बस बस्ती से करीब 47 सवारियों को लेकर गोरखपुर आ रही थी। बस जैसे ही सीहापार ओवर ब्रिज पर पहुंची, तभी पीछे से एक ट्रेलर ने ठोकर मार दिया। ठोकर लगते ही यात्री सीट पर टकरा गए। बस के अंदर चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने एंबुलेंस को सूचना को देकर बस से घायलों को निकाला। गनीमत रहा कि घायलों में किसी को सिर,किसी को पैर,कमर आदि में चोट आई थी। उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया गया। जहां से अधिकतर घायल खुद ही निजी अस्पताल चले गए। केवल छह यात्रियों का वहां इलाज चल रहा है।

घटना के बाद पुलिस के साथ ही परिवहन विभाग के अधिकारी जांच पड़ताल कर दुर्घटना का कारण पता कर रहे हैं। सहजनवां थाना प्रभारी महेश चौबे ने बताया कि सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। किसी को गंभीर चोट नहीं आई है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
अपील संo–T 20241765030
धारा 35 (2) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी मेहदावल संतकबीरनगर
सालिकराम
बनाम
मनीषा
मौजा फुलवरिया तप्पा गोपालपुर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला–संतकबीरनगर
1. कुमारी मनीष पुत्री राम प्रकाश साकिन नरायनपुर पोस्ट जिगिना तहसील बस्ती जिला–बस्ती
तारीख पेशी 21–05–2025
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 16 माह 05 सन 2025 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद संo– 1188/2024
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार कुदरहा बस्ती जिला–बस्ती
नूरजहॉ
बनाम
सफीकुन्निशा आदि
1. मोहम्मद नसीब पुत्र अकबाल 2. मोहम्मद समीम पुत्र अकबाल ग्राम बेलहापार तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 09–06–2025
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 06 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

छत से गिरकर ठेकेदार की मौत

गोरखपुर–संवाददाता। गुलरिहा इलाके के मंगलपुर बीएसएनएल एक्सचेंज के पास एक ठेकेदार की छत से नीचे फेंक कर हत्या करने का मामला सामने आया है। हालांकि पुलिस नशे की हालत में छत से गिरने के एंगल पर भी जांच कर रही है। मृतक की पहचान मंगलपुर टोला जगदीशपुर उतरौं निवासी रामकेवल के रूप में हुई है। रामकेवल बेंगलुरु में पेंट पालिश की ठेकेदारी करते थे। घर में शादी होने पर 3 मई को बेंगलुरु से घर आये थे। पड़ोसरी में भाई के घर में शादी थी, घर पर मेहमानों की भीड़ ज्यादा होने से वह बीएसएनएल एक्सचेंज पर रहते थे। बताया जा रहा है कि यहां देर रात तक दारू मीट की पार्टी चलती थी।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 नियम 9) (2)
अदालत–श्रीमान अष्टम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 144/2019
राम निहाल आदि
बनाम
कल्पनाथ आदि
1/1 रामनवल पुत्र नवल किशोर उम्र 46 वर्ष 1/2 नन्दकिशोर उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्रगण कल्पनाथ 1/3 श्रीमती चन्द्रावती उम्र लगभग 62 वर्ष पत्नी कल्पनाथ निवासीगण ग्राम सरईया तप्पा मनवरपार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती पोस्ट बेमहरी
तारीख पेशी 23–07–2025
हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकुम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।
लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 23 माह 07 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाफिक हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदी की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 2025 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

वज्रपात से बाइक सवार युवक की मौत, कर रहा था सेना में भर्ती की तैयारी

गोरखपुर–संवाददाता। चौरी चौरा में वज्रपात से बाइक सवार युवक की मौत हो गयी। छबैला के टोला मुहम्मदपुर निवासी सूरज सिंह सेना में भर्ती की तैयारी कर रहा था। हर दिन की तरह मंगलवार की सुबह

करीब पौने चार बजे वह मजिठिया ग्राउंड पर दौड़ लगाने के लिए निकला था, लेकिन मौसम खराब होने से वह बीच रास्ते से लौटकर घर जा रहा था। चौरी चौरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छबैला के टोला मुहम्मदपुर निवासी सुरजीत सिंह दुबई में रहते हैं। उनका बड़ा बेटा सूरज सिंह सेना की तैयारी में जुटा था। वह प्रतिदिन सुबह चार बजे बाइक से मजीठिया खेल ग्राउंड सरदार नगर में दौड़ लगाने जाता था।

मंगलवार को भी वह दौड़ने ही जा रहा था, लेकिन मौसम खराब होने के चलते बीच रास्ते से घर वापस आ रहा था। गांव के करीब पहुंचा ही था कि वज्रपात से उसकी मौत हो गयी। छोटा बेटा चंदन सिंह पढ़ाई कर रहा है।

इस घटना घर पर कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो–रो कर हाल बेहाल है। चौरी चौरा थानेदार वेद प्रकाश शर्मा ने बताया की शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

आतंकवाद विरोधी दिवस पर संगोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
रूधौली (बस्ती)। मंगलवार को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ तथा इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय महाविद्यालय, रूधौली, में राष्ट्रीय आतंक वाद विरोधी दिवस की पूर्व संध्या पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डा0 राजेश कुमार शर्मा ने माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये प्रमुख वक्ता के रूप में डा0 राजेश कुमार शर्मा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, इतिहास विभाग ने कहा कि भारत में हर साल 21 मई को राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है। यह दिन पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के रूप में भी मनाया जाता है, जिनकी 1991 में एक आतंकवादी हमले में हत्या कर दी गई थी। यह आतंकवाद के विनाशकारी परिणामों की एक गंभीर याद दिलाता है और हिंसा का मुकाबला करने और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

डा0 शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस का प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, मानव जीवन और वैश्विक शांति पर आतंकवाद के प्रभाव के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। यह नागरिकों को विभाजनकारी और हिंसक विचारधाराओं के खिलाफ खड़े होने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति एकता और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है। भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई, 1991 को तमिलनाडु में लिट्टे (लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम) के एक आत्मघाती हमलावर ने हत्या कर दी थी। 1992 में, भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर उनकी स्मृति का सम्मान करने और आतंकवाद के खतरे के बारे में जनता को संवेदनशील बनाने के लिए इस दिन को राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में घोषित किया था।

डा0 राजेश कुमार शर्मा ने अपने कहा कि बढती हुई आतंकवादी घटनाएँ आतंकवाद के कृत्यों से तेजी से प्रभावित दुनिया में देश के नागरिकों को सतर्कता रहने की आवश्यकता है। शांति, सहिष्णुता और आपसी सम्मान की संस्कृति को बढ़ावा देकर और युवाओं को कट्टरपंथ और आतंकवाद के खतरों के बारे में शिक्षित कर ही इस समस्या से हम छुटकारा पा सकते है। यह प्रत्येक नागरिक से एक सुरक्षित, अधिक समावेशी और एकजुट राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का आग्रह करता है। सामूहिक प्रयास और जागरूकता के माध्यम से, आतंक मुक्त समाज का सपना एक वास्तविकता बन सकता है। डा0 शर्मा ने एकता और लचीलेपन का संदेश फैलाने के लिए विद्यार्थियों से जागरूकता अभियान और अंतरधार्मिक संवाद भी आयोजित किए जाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डा0 देवानन्द के नेतृत्व में आतंकवाद विरोधी दिवस की शपथ महाविद्यालय के समस्त शिक्षक और छात्र–छात्राओं ने लिया जो आतंकवाद के सभी रूपों का विरोध करने और शांति और अखंडता को बनाए रखने की उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। इस अवसर पर डा0 देवानन्द, डा0 शैलजा तथा अन्य प्राध्यापकगण के साथ ही साथ महाविद्यालय के अन्य कर्मचारीगण तथा छात्र– छात्राएँ उपस्थित थे। महाविद्यालय के अनेक छात्र–छात्राओं ने भी आतंकवाद विरोधी दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये। संगोष्ठी का सफल संचालन डा0 शैलजा ने किया और अपने कविताओं के माध्यम से अभी हाल ही में हुये पहलगाम जैसी आतंकवादी घटनाओं से निपटने के लिए छात्र–छात्राओं और देशवासियों को प्रेरित किया। संगोष्ठी के अन्त में तथा डा0 देवानन्द ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी हनुमान प्रसाद पुत्र स्व. श्री रामरुप ग्राम– चौरी पोस्ट– नन्दनगर, तहसील हर्रैया जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे पुत्र श्यामबाबू का चाल चलन ठीक नहीं है। वह आये दिन परिवार में कलह किया करता है। समझाने पर भी नहीं मानता। इसे देखते हुये मैं उसे 12–05–2025 से अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन, वाद विवाद आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। अब उसका मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध नहीं है। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com